Da – पर्वत पर उपदेश मत्ती ५:३-१६; लूका ६:१७-१९ | 1

– Save This Page as a PDF–

पर्वत पर उपदेश

मत्ती ५:३-१६ और लूका ६:१७-१९



इस खंड को आम तौर पर पर्वत पर उपदेश के रूप
में जाना जाता है। उस शीर्षक के साथ समस्या यह है कि यह केवल उस भौगोलिक स्थिति को दर्शाता है जहां घटना घटी थी। यह सामग्री के बारे में कुछ नहीं कहता. यह दो हजार शब्दों से भी कम लंबा है। फिर भी इसकी संक्षिप्तता में बड़ी शक्ति है। यह इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण उपदेश हो सकता है।

इस समय तक इज़राइल की भूमि के अंदर और बाहर दोनों जगह यीशु के मसीहा संबंधी दावों में रुचि बढ़ रही थी। यह यहूदी इतिहास का वह काल था जब यहूदी लोग मसीहाई मुक्ति की तलाश में थे। तानाख के पैगम्बरों के ज्ञान से, वे जानते थे कि धार्मिकता ही राज्य में प्रवेश का मार्ग है। पिछली चार शताब्दियों में, फरीसियों ने धार्मिकता का एक रूप विकसित किया और पेश किया, जिसने सिखाया कि आने वाले राज्य युग में पूरे इज़राइल का हिस्सा होगा। यह बहुत चौड़ी सड़क थी (मत्ती ७:१३-१४)। उन्होंने कहा कि जो कोई भी यहूदी के रूप में पैदा हुआ है वह परमेश्वर के राज्य का उत्तराधिकारी होगा। केवल वे ही जो वफादार थे, राज्य में अधिकार के पद होंगे, लेकिन सभी यहूदी इसमें प्रवेश करेंगे। इसलिए फरीसियों ने यहूदियों को धार्मिकता और राज्य में हिस्सा देने का दावा किया। लेकिन यह अभी भी बहुत चौड़ी सड़क थी।

तब यीशु आये और उसी नींव को चुनौती दी। उन्होंने सिखाया कि ईश्वर के राज्य के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को येशुआ को मसीहा के रूप में स्वीकार करके एक नए जन्म का अनुभव करना चाहिए। इसलिए, परमेश्वर और फरीसी यहूदी धर्म के बीच संघर्ष होने लगे। आम लोग जो प्रश्न पूछ रहे थे वह यह था: क्या फरीसी यहूदी धर्म ईश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए पर्याप्त है? यदि नहीं, तो किस प्रकार की धार्मिकता आवश्यक है?

Da – पर्वत पर उपदेश मत्ती ५:३-१६; लूका ६:१७-१९ | 2

जब येशुआ ने कहा: क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं कि जब तक तुम्हारी धार्मिकता टोरा- शिक्षकों और फरीसियों से कहीं अधिक नहीं होगी, तुम निश्चित रूप से स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करोगे (मत्ती ५:२०), उन्होंने फरीसी यहूदी धर्म को दो तरीकों से खारिज कर दिया। सबसे पहले, गैलीलियन रब्बी ने राज्य में प्रवेश करने के लिए पर्याप्त धार्मिकता होने के कारण इसे अस्वीकार कर दिया; और दूसरी बात, उन्होंने टोरा में सच्ची धार्मिकता की सही व्याख्या के रूप में फरीसी यहूदी धर्म को खारिज कर दिया।